

>

Title: Regarding spending of D.N.F. Fund.

श्रीसुभाषचन्द्रबहेड़िया (भीलवाड़ा): अध्यक्षमहोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में यह लाना चाहता हूँ कि पिछले कार्यकाल में डी.एम.एफ. फण्ड का निर्माण हुआ। जिस जिले में जो खनन कार्य हो रहा है, जो खनिज निकाले जा रहे हैं, उसका कुछ परसेंटेज उस जिले के विकास के लिए एक ट्रस्ट के माध्यम से वह सरकारी फण्ड बना। मेरे भीलवाड़ा जिले में खनन का बहुत बड़ा व्यवसाय है और बहुत बड़ा क्षेत्र है। वहाँ काफी मात्रा में रॉयल्टी मिलती है। भीलवाड़ा के डी.एम.एफ. फण्ड में लगभग 400 करोड़ रुपये अभी जमा हैं, लेकिन वहाँ की राज्य सरकार उस खर्च नहीं कर रही है। उसमें कुछ परसेंटेज तय है कि उसका 40 प्रतिशत शिक्षा के लिए, 40 प्रतिशत स्वास्थ्य के लिए, कुछ पीने के पानी के लिए खर्च होगा, लेकिन सरकार उस खर्च नहीं कर रही है। वे फण्ड वैसे ही पड़े हुए हैं। विद्यालयों की हालत यह है कि प्राइमरी स्कूल में पाँच क्लासेज हैं, मगर उनका कमरा एक ही है। मिडिल स्कूल में आठ क्लासेज हैं, मगर उनके लिए कमरे मात्र एक या दो ही हैं। आपके क्षेत्र में भी वही हाल है। मेरा यह मानना है कि इस मामले में निर्देशित किया जाए कि डी.एम.एफ. फण्ड जिस साल इकट्ठा हो, उसे एक या दो साल के भीतर खर्च किया जाए। ऐसा कोई प्रावधान इसमें किया जाए।